S-314 Roll No. ……..

MAHL–102

मध्यकालीन कविता

M. A. Hindi (MAHL-12/16/17)

First Year, Examination, 2018

Time : 3 Hours **Max. Marks : 80**

नोट : यह प्रश्न पत्र अस्सी (80) अंकों का है जो तीन (03) खण्डों 'क', 'ख' तथा 'ग' में विभाजित है। शिक्षार्थियों को इन खण्डों में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

खण्ड–क

(दीर्घ उत्तरीय प्रश्न)

नोट : खण्ड 'क' में चार (04) दीर्घ उत्तरीय प्रश्न दिये गये हैं। प्रत्येक प्रश्न के लिए उन्नीस (19) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल दो (02) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

1. निम्नलिखित पद्यांशों में किन्हीं दो की सन्दर्भ सहित व्याख्या कीजिए :

   (क) पढ़ि-पढ़ि के पत्थर भया, लिखि-लिखि भया जु ईंट।
   कहै कबीरा प्रेम की, लगी न एकौ छींट॥
   पोथी पढ़ि-पढ़ि जग मुआ, पंडित भया न कोइ।
   ढाई आखर प्रेम का, पढ़ै सो पंडित होय॥

(ख) अतिमलीन वृषभानु-कुमारी

हरि स्रम जल भींज्यौ उर-अंचल, तिहिं लालच न धुवावति सारी।
अधमुख रहति अनत नहिं चितवति, ज्यों गथ हारे थकित जुवारी।
छूटे चिकुर बदन कुम्हिलाने, ज्यौं नलिनी हिमकर की मारी।
हरि सँदेस सुनि सहज मृतक भइ, इक बिरहिनि, दूजे अलि जारी।
सरूदास कैसें कर जीवैं, ब्रज बनिता बिन स्याम दुखारी॥

(ग) सीस जटा, उर बाहु बिसाल, बिलोचन लाल, तिरीछी-सी भौंहें।
तून सरासन-बान धरें तुलसी बन-मारग में सुठि सोहैं॥
सादर बारहिं बार सुभायँ चितै तुम्ह त्यौं हमरो मनु मोहैं।
पूँछत ग्रामबधू सिय सों, कहौ, साँवरे-से सखि ! रावरे कोहैं॥

(घ) केशव ये मिथिलाधिप हैं जग में जिन कीरति-बेलि बई है।
दान-कृपान-विधानन सों सिगरी बसुधा जिन हाथ लई है।
अंग छः सातक आठक सों भवतीनिहु लोक में सिद्ध भई है।
वेदत्रयी अए राजसिरी परिपूरनता सुभ जोगमई है॥

2. "मैं जोर देकर कहना चाहता हूँ कि अगर इस्लाम नहीं आया होता तो भी इस हिन्दी साहित्य का बारह आना वैसा ही होता जैसा कि आज है।" आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी के इस कथन के आलोक में भक्ति-साहित्य के उद्‌भव और विकास की प्रक्रिया पर प्रकाश डालिए।
3. भक्ति-साहित्य की निर्गुण धारा की ज्ञानमार्गी शाखा की प्रमुख प्रवृत्तियों का परिचय देते हुए, सामाजिक परिवर्तन में कबीर-काव्य की भूमिका पर प्रकाश डालिए।

4. 'रीति' का स्वरूप स्पष्ट करते हुए रीतिमुक्त कवियों की रचनाशीलता में निहित मुख्य प्रवृत्तियों को उदाहरण सहित विश्लेषित कीजिए।

खण्ड–ख

(लघु उत्तरीय प्रश्न)

नोट : खण्ड 'ख' में आठ (08) लघु उत्तरीय प्रश्न दिये गये हैं। प्रत्येक प्रश्न के लिए आठ (08) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल चार (04) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

1. भक्ति साहित्य की प्रमुख प्रवृत्तियों का संक्षिप्त परिचय दीजिए।
2. "कबीर वाणी के डिक्टेटर हैं।" इस कथन के आलोक में कबीर दास की रचना-भाषा पर एक संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए।
3. सूरदास के श्रृंगार वर्णन की विशेषताओं का संक्षिप्त परिचय दीजिए।
4. तुलसीदास की काव्य-भाषा की विशेषताओं का संक्षिप्त परिचय दीजिए।
5. सांस्कृतिक समन्वय की दृष्टि से 'पद्मावत' के महत्व पर प्रकाश डालिए।
6. केशवदास की रचनागत विशेषताओं का संक्षिप्त परिचय दीजिए।
7. रीतिकाव्य के स्वरूप को स्पष्ट करते हुए रीतिबद्ध कवियों की रचनागत विशिष्टता पर एक संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए।
8. "रीतिमुक्त कवियों की रचनाएँ उस युग में प्रचलित काव्य-प्रवृत्ति से अलग रचना की स्वायत्त भूमि की खोज का सार्थक प्रयास हैं।" आप इस कथन से कहाँ तक सहमत हैं ?

खण्ड–ग

(वस्तुनिष्ठ प्रश्न)

नोट : खण्ड 'ग' में दस (10) वस्तुनिष्ठ प्रश्न दिये गये हैं। प्रत्येक प्रश्न के लिए एक (01) अंक निर्धारित है। इस खण्ड के सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

1. रुद्र सम्प्रदाय के संस्थापक आचार्य निम्नलिखित में से कौन हैं ?
   (क) रामानुजाचार्य
   (ख) वल्लभाचार्य
   (ग) मध्वाचार्य
   (घ) निम्बार्काचार्य

2. वल्लभाचार्य द्वारा प्रस्तावित और प्रचारित भक्ति का दार्शनिक आधार निम्नलिखित में से कौन है ?
   (क) विशिष्टाद्वैतवाद
   (ख) द्वैताद्वैतवाद
   (ग) शुद्धाद्वैतवाद
   (घ) द्वैतवाद

3. सख्य भाव की भक्ति निम्नलिखित में से किनकी रचना का आधार है ?
   (क) मलिक मुहम्मद जायसी
   (ख) कबीरदास
   (ग) तुलसीदास
   (घ) सूरदास

4. निम्नलिखित में कौन-सी तुलसीदास द्वारा रचित नहीं है ?

(क) रामचन्द्रिका

(ख) बरवै रामायण

(ग) कृष्ण गीतावली

(घ) विनयपत्रिका

5. 'रास पंचाध्यायी' किनकी रचना है ?

(क) सूरदास

(ख) कृष्णदास

(ग) परमानन्ददास

(घ) नन्ददास

6. 'विनयपत्रिका' निम्नलिखित में से किस भाषा में रचित है ?

(क) ब्रजभाषा

(ख) हिन्दी

(ग) अवधी

(घ) भोजपुरी

7. निम्नलिखित रचनाकारों और रचनाओं को सुमेलित कीजिए :

(क)	मुल्ला दाऊद	(i)	मधुमालती
(ख)	कुतुबन	(ii)	आखिरी कलाम
(ग)	मंझन	(iii)	चन्दायन
(घ)	मलिक मुहम्मद जायसी	(iv)	मृगावती

8. रीतिकाल को 'दरबारी काल' निम्नलिखित में से किस विद्वान ने कहा है ?

(क) नन्ददुलारे वाजपेयी

(ख) राहुल सांकृत्यायन

(ग) मिश्र बन्धु

(घ) जॉर्ज अब्राहम ग्रियर्सन

9. निम्नलिखित में कौन-सा मात्रिक छन्द नहीं है ?

(क) दोहा

(ख) सोरठा

(ग) सवैया

(घ) चौपाई

10. निम्नलिखित में से कौन ब्रजभाषा के रचनाकार नहीं हैं ?

(क) मलिक मुहम्मद जायसी

(ख) सूरदास

(ग) चिन्तामणि त्रिपाठी

(घ) केशवदास